a dining car. Food supply is not satisfactory. A Chair-car coach is urgently needed to be attached to this train for the convenience of the passengers who cannot afford first class travel. The Railway Ministry is urged upon to remove these inadequacies in the said train.

(iii) REPORTED TOKEN STRIKE BY DELHI UNIVERSITY KARAMCHARIS

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, दिल्ली विश्वविद्यालय के पांच हजार कर्मचारियों ने अपनी मांगों को ले कर गत 2 जुलाई को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की तथा कुलपति के सामने प्रदर्शन किया। उनकी मांग है कि गत अप्रैल में 19 दिनों तक हुई उनकी हड़ताल के दिनों की उनकी छुट्टियों में शामिल न किया जाये, उनके लंबित मांग पत्र को स्वीकार किया जाये तथा रामलाल आनंद कालेज के सैक्शन (एकाउंट्स) अधिकारी श्री सी० एल० यादव, की वर्षों से चली आ रही मुअत्तिली को समाप्त कर उन्हें अपने पद पर बहाल किया जाये। कर्मचारियों का कहना है कि कुलपति ने उन्हे आश्वासन दिया था कि हड़ताल की अवधि छुट्टियों में नहीं गिनी जायेगी।

श्री सी० एल० यादव अपनी नौकरी को बहाल करने की मांग को लेकर गत 1 जुलाई से अपनी पत्नी तथा तीन छोटे बच्चों के साथ कुलपति के कार्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठे हैं। भूख हड़ताल के कारण उनकी शारीरिक स्थिति खराब हो रही है।

यूनिवर्सिटी एंड कालेज कर्मचारी यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी उक्त मांगों को 16 जुलाई तक स्वीकार नही किया गया, तो कर्मचारियों को विवश हो कर पुन: हड़ताल करनी पड़ेगी।

ऐसी गम्भीर स्थिति में मेरा अनुरोध होगा कि शिक्षा मंत्री इस मामले में हस्तक्षेप कर कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार करें तथा अनशन पर बैठे श्री सी० एल० यादव एवं उनके परिवार के लोगों के प्राणों की रक्षा करें।

(iv) NEED FOR IMMEDIATE SUPPLY OF CEMENT IN BARMER DISTRICT OF RAJASTHAN

श्री वृद्धि चन्द्र जैन (बाड़मेर) : उपाध्यक्ष महोदय, गत साल लूनी नदी की बाढ़ से राजस्थान प्रान्त के बाड़मेर जिले के 125 ग्राम बाढ़ ग्रस्त हुए थे। उन ग्रामों में सैकड़ों मनुष्य एवं हजारों पशु मृत्यु के शिकार हुए थे। हजारों मकान बालोतरा नगर एवं उन ग्रामों में एवं हजारों सिचाई के कुएं ढह गये थे और क्षतिग्रस्त हुए थे। सिचाई के सम्पूर्ण नष्ट कुओं को नये सिरे से बनाने, क्षतिग्रस्त कुओं एवं क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत केन्द्र द्वारा राजस्थान राज्य को पर्याप्त मात्रा में सीमेंट की सप्लाई न किये जाने के कारण वे अपने कुओं को सम्पूर्ण तौर से बना नहीं सके हैं और न पूरी तरह से मरम्मत कर सके हैं और बालोतरा नगर एवं ग्रामों की जनता मकानों की मरम्मत एवं सुधार पूरी तरह से नहीं कर सकी है, जिसके कारण उसमें पूरा रोष है। वह जल्दी से जल्दी सीमेंट चाहती है, जिसके कारण उसे बड़ा नुकसान हो रहा है और उसके कारण उसमें पूरा रोष है। अत: केन्द्र एवं राज्य सरकारों से नम्रतापूर्वक आग्रह है कि कि वे दोनों मिल कर जल्दी से जल्दी उन्हें पर्याप्त मात्रा में सीमेंट उपलब्ध करा कर उनकी आवश्यक मांग की पूर्ति करें।

(v) PROTECTION TO INDIAN FISHERMEN FROM POACHING FOREIGN VESSELS

SHRI K. T. KOSALRAM (Tiruchendur): Mr. Deputy-Speaker, Sir, for one lakh fishermen living on the Gulf of Mannar coast in Tirunelveli district, Ramnad and Kanyakumari districts of Tamil Nadu setting sail to cash the fish is like going to war. The foreign poaching vessels in this area rough them up and seize their nets together with the catch and at times even sink their boats. It is not uncommon that their catamarans are riven into two by these mechanised boats. It has become a normal feature that Sri Lanka navy men suddenly appear on the scene, order the, fishermen to follow them and once they are within Sri Lanka waters, they board the vessels and loot the catch. In one month alone, Sri Lanka navy men had seized sixty-four of their boats.

The Deputy Director of Fisheries of Tamil Nadu has recently announced the capture of One Taiwanese fishing trawler with variety of fish valued at about Rs. 70,000. The captain of this trawler has stated that 35000 fishing trawlers are in Indian waters for two to three months at a stretch. In this period they transfer

[Shri K. T. Kosalram]

the special fish 'Prawn' available here to the mother-ship waiting outside Indian waters and the cost is estimated to be of the value of nearly Rs. 1 crore; in a year the value of fish caught is estimated to be of the order of Rs. 6 crores. This captured Taiwanese vessel is still in Tuticorin harbour.

Thus, our national wealth to the order of Rs. 6 crores a year is swindled by foreign vessels by catching fish in our territorial waters. Besides the loss of national wealth, the livelihood of nearly a lakh of fishermen Navy vessels, thus giving protection to these foreign vessels.

I demand that the Agriculture Minister should take it up with the Minister of Defence and ensure 24-hour patrolling of this area by Indian Navy vessels, thus giving protection to our fishermen and to our national wealth

(vi) REPORTED MOLESTATION OF A WOMEN BY G. R. P. AT KISHANGANJ, BIHAR.

श्री डूमर लाल बैठा (अररिया) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं--

पूर्व अध्याय

प्राप्त समाचारों के अनुसार पता चला है कि किशनगंज रेलवे जी० आर० पी० के एक सिपाही (शिवशंकर सिंह) द्वारा एक हरिजन परिवार की एक महिला के साथ काफी शर्मनाक क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया है जिस के कारण पूरे नगर में काफी सनसनी फैली हुई है। घटना इस प्रकार बताई जाती है कि उक्त महिला के पीछे जी० आर० पी० के कुछ सिपाही कई दिनों से लगे एहु थे। मौका पाकर एक दिन वे दल बल के साथ रात्रि 8 बजे के लगभग महिला के घर में घुस आए तथा उस के पति रेलवे हरिजन कर्मचारी के सामने ही महिला के साथ दुरव्यवहार करने लगे जिसका उस के पति ने विरोध किया। विरोध करने पर जी० आर० पी० सिपाहियों द्वारा उसके घर के सामने ही पोल में उसे बांध कर काफी मारा पीटा गया जिस से वह बेहोश होकर बंधा पड़ा रहा। उसी समय उसके सामने ही उसकी पत्नी की साड़ी उतार दी गई, ब्लाउज फाड़ दिया गया तथा साया खोल कर चोटी पकड़ कर घसीट कर वे उसे अन्धेरे में किसी-अज्ञात स्थान पर ले गए जहां उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया गया तो स्त्री ने अचेतावस्था में भी इसका विरोध किया, फलस्वरूप उस सिपाही ने लोहे की एक मोटी छड़ लाकर गरम कर उस के शरीर के कई स्थानों को जलाया। कई स्थानों से बदन को जलाकर अंत में उसी गरम छड़ को उक्त महिला के निजी अंगों में घुसेड़ दिया, फलतः महिला रोती तड़पती बेहोश हो गई जिसे निर्वस्त्र ही नदी में फेंक दिया गया क्योंकि सिपाहियों ने समझा था कि शायद वह मर गई हो। परन्तु दूसरे दिन सुबह वह महिला नदी के किनारे अचेतावस्था में एक रिक्शा चालक को मिली। रिक्शा चालक उसे लेकर अस्पताल पहुंचा। उधर उस के पति को भी बस्ती के लोगों ने अस्पताल पहूंचाया। अभी भी वह महिला एवं उस के पति की हालत चिन्ताजनक बताई जाती है।

इस कांड से सम्बन्धित सिपाहियों की भी अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, पता चला है कि रेलवे दरोगा उक्त भ्रष्ट सिपाहियों को हिरासत में लेकर बचाव में लगे हुए हैं। सुना जाता है कि रेलवे के कई सिपाही इसी प्रकार बलात् कई भोली भाली युवतियों को अपनी हवस का शिकार बनाते हैं जिस के कारण जनता में काफी असंतोष व्याप्त है।

गृह मंत्री से अनुरोध है कि इस पर एक वक्तव्य देकर पूर्ण स्थिति से सभी को अवगत करायें।

MR. DEPUTY SPEAKER: Do not make any other speech; you must read what you have written and given. Other things will not be recorded.

13.41 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (General), 1980-81—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up further discussion and voting on the demands for grants under the control of the Ministry of External Affairs.

SHRI EDUARDO FALEIRO (Mormugao): Mr. Deputy-Speaker, foreign policy is fortunately one of those aspects or spheres of national political life where there is a broad consensus and the sharp political divisions that one witnesses in many other aspects of national life do not find a place